इस अंक में...

सुजानगढ़ महोत्सव... 20-26

लोक देवता...5

संगीत का लालित्य...8

लोक का रंग लोकगीत...10

लोक संस्कृति में निहित लोक कल्याण...12

दीपावली और फिल्म व्यवसाय...14

जल साझी...17

जातिगत राग...18

फिल्मी गीतों को लोकप्रिय बनाते राजस्थानी लोकगीत...27

पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों का संगीत प्रेम...30

नाहरगढ़ दुर्ग...32

बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे पं. तुलसीदास बोरकर...35

वागड़ का वैभव-अर्थूणा...38

एक अभिशप्त देवी - विदुषी अन्नपूर्णा देवी....40

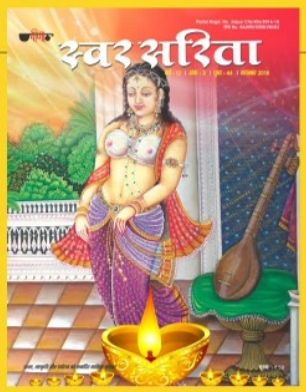

आवरण चित्र : किशन शर्मा, बेगूं

प्रधान सम्पादक: **के.सी. मालू**

सम्पादक : **डॉ. देवदत्त शर्मा**

प्रबंध सम्पादक : **हेमजीत मालू**

स्वर सरिता में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, आवश्यक नहीं कि सम्पादक मण्डल उनसे सहमत हो।

सम्पर्क सूत्र

सम्पादक, स्वर सरिता, वीणा प्रकाशन, हल्दिया हाउस, जौहरी बाजार, जयपुर-302003

फोन : 2570517, 2572666

website

http://www.veenaswarsarita.com

mail

veenaprakashan@gmail.com

स्वत्त्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी के.सी. मालू (केशरीचन्द मालू) द्वारा दी डायमण्ड प्रिंटिंग प्रेस, 9, एम.एस.बी. का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर से मुद्रित तथा वीणा प्रकाशन, हल्दिया हाउस, जौहरी बाजार, जयपुर-302003 से प्रकाशित।